प्रेरणा

अपनी जिंदगी में हमेशा दूसरों को समझने की कोशिश कीजिए, परखने की नही..!!

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 02 SEPTEMBER TO 08 SEPTEMBER 2022 • VOLUME-07 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING | DESIGN | TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

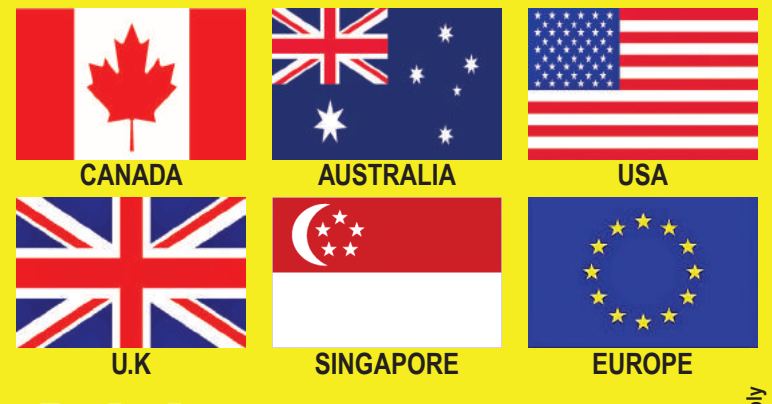

CANADA | AUSTRALIA | USA | U.K | SINGAPORE | EUROPE

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

'भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए एकजुट हो रहे विपक्षी दल'

केरल यात्रा पर मोदी का विपक्ष पर बोला हमला

कोच्चि : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन की केरल यात्रा पर हैं। कोच्चि में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी ने कोच्चि की जनता को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए एकजुट होने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने कहा, ''तेज विकास और युवाओं की आकांक्षाओं की राह में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार का है। मैंने 15 अगस्त को कहा था कि भ्रष्टारचार के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का समय आ गया है, लेकिन हम यह भी देख रहे हैं कि जैसे-जैसे भ्रष्टाचारियों पर एक्शन हो रहा है तो देश की राजनीति में नया पोलराइजेशन भी शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए कुछ राजनीतिक दल खुलकर सामने आ गए हैं. संगठित होने का प्रयास कर रहे हैं। देश और केरल के लोगों को इनसे लगातार सतर्क रहना है।''

बता दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्ष के लामबंद होने की कोशिशें देखी जा रही है। कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पटना पहुंचकर सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव समेत महागठबंधन के अन्य नेताओं से मुलाकात की। हालांकि, नीतीश की पीएम उम्मीदवारी के सवाल पर केसीआर ने पत्रकारों से कहा कि समय आने पर इस बारे में तय किया जाएगा। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कोलकाता की एक जनसभा से विपक्षी दलों से एकजुट होने का आह्वान कर चुकी हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति के घाघ कहे जाने शरद पवार पहले से ही विपक्षी दलों को एकजुट होने के कहते आ रहे हैं। कांग्रेस ने हालांकि 2024 की अपनी रणनीति को लेकर रुख साफ नहीं किया है लेकिन केंद्र की सत्ता से बीजेपी को हटाने के लिए विपक्ष के एकजुट अभियान में वह भागीदार हो सकती है, ऐसी अटकलें हैं।

एनआरआईज़ को बड़ी राहत, मुख्यमंत्री द्वारा शिकायतों के निपटारे के लिए नोडल अफ़सर नियुक्त

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

प्रवासी भारतीयों (एनआरआईज़) को बड़ी राहत देते हुये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एन. आर. आईज़ की शिकायतों का तत्काल और समयबद्ध ढंग से निपटारा किये जाने को यकीनी बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री फील्ड अफसरों' को नोडल अफ़सर नियुक्त करने का फ़ैसला किया है। मुख्यमंत्री ने विस्तार में जानकारी देते हुए बताया कि आम आदमी सरकार के सत्ता में आने के बाद सहायक कमिश्नर (शिकायत) के 23 पदों को ख़त्म करके 'मुख्यमंत्री फील्ड अफ़सर' के 23 पदों की सृजना की गई थी।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस कदम का मकसद यह यकीनी बनाना है कि राज्य के निवासियों की शिकायतों का निपटारा ज़िला स्तर पर करने के लिए उनको बेहतर प्रभावी और सशक्त शिकायत निवारण प्रणाली मुहैया करवाई जाये। भगवंत मान ने बताया कि एक अन्य महत्वपूर्ण फ़ैसले लेते हुए राज्य सरकार ने अब एन. आर. आईज़ की शिकायतों के निपटारे को यकीनी बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री फील्ड अफसरों' को नोडल अफ़सर के तौर पर नियुक्त करने का फ़ैसला किया।

परिवहन मंत्री भुल्लर द्वारा सरकारी बसों की तेल चोरी रोकने के लिए छापामार टीमें गठित

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

सरकारी बसों से तेल चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने आज तीन राज्य स्तरीय टीमें सहित डीपू स्तरीय छापेमार टीमें गठित की हैं, जो राज्य में निरंतर छापे मारेंगी। राज्य स्तरीय तीनों टीमों को सीधे तौर पर परिवहन मंत्री को रिपोर्ट करने के लिए पाबंद किया गया है जबकि डीपू स्तरीय टीमें सम्बन्धित जनरल मैनेजर/डीपू मैनेजर को रिपोर्ट करेंगी। कैबिनेट मंत्री भुल्लर ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग मीटिंगों में तेल चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए अधिकारियों और ड्राइवरों और कंडकटरों से सहयोग की माँग की थी परन्तु इसके बावजूद बसों में से तेल चोरी की खबरें मिल रही हैं।

परिवहन मंत्री ने बताया कि राज्य स्तरीय छापामार टीमें कभी भी कहीं भी छापा मार सकती हैं और उनको सीधे तौर पर रिपोर्ट करेंगी। एक दिन में अपनी 8-8 घंटों की रोटेशन ड्यूटी के दौरान डीपू स्तरीय 3-3 टीमें सम्बन्धित बस स्टैंड और वर्कशाप में आने-जाने वाली और रात को रुकने वाली बसों पर पैनी नज़र रखेंगी।

अब 283 सेवाओं के सर्टिफिकेट डिजिटल हस्ताक्षरों के साथ वट्सऐप या ईमेल के द्वारा मिलेंगें

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

सेवा केन्द्रों के द्वारा मुहैया करवाई जाती 283 सेवाओं के सर्टिफिकेट डिजिटल हस्ताक्षरों के साथ आवेदक को अब घर बैठे ही वट्टसऐप या ईमेल के द्वारा सर्टिफिकेट मिल जायेगा। यह जानकारी प्रशासन सुधार मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने विभाग के कामकाज की समीक्षा के लिए मीटिंग के उपरांत जारी प्रैस बयान के द्वारा दी। 283 सेवाओं की डिलविरी डिजिटल करते हुये इस सम्बन्धी विभाग की तरफ से बाकायदा नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। इन सेवाओं में जाति सर्टिफिकेट, जन्म और मौत सर्टिफिकेट, रिहायशी सर्टिफिकेट, बुढापा पैंशन, विवाह सर्टिफिकेट, हथियार रीन्यू करना, जनरल जाति सर्टिफिकेट, भार मुक्त सर्टिफिकेट, पिछड़ा क्षेत्र सर्टिफिकेट आदि प्रमुख हैं जिनकी रोज़ाना की ज़िंदगी में लोगों को सबसे अधिक ज़रूरत पड़ती है।

मीत हेयर ने आगे बताया कि इससे पहले लोगों को एक ही सर्टिफिकेट की दोबारा ज़रूरत पड़ने पर बार-बार चक्र लगाने पड़ते थे जैसे कि किसी विद्यार्थी को दाखिले के लिये जन्म या जाति सर्टिफिकेट हासिल करना। हर बार सेवा केंद्र जाकर हौलोग्राम के साथ हस्ताक्षर करवा के सर्टिफिकेट हासिल करना पड़ता था।

घटिया राजनीति का शिकार कई राज्यों को जोड़ने वाला नेशनल हाइवे डाल सकता है हिमाचल विधानसभा चुनावों पर असर...

पिछले 8 सालों से लैंड घोटाले की भेंट चढ़ चुका एनएच 70 जालंधर-होशियारपुर मार्ग, आखिर कब तक होगा पूरा

• जालंधर ब्रीज. विशेष रिपोर्टर

पंजाब में साल 2022 की शुरूआत में हुए विधान सभा चुनाव में लोगों ने आम आदमी पार्टी को प्रचंड बहुमत से जीता कर उनकी सरकार बनवाई। अब कुछ ही महीनों बाद हिमाचल प्रदेश में भी विधान सभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में सभी पार्टियों द्वारा

नेशनल हाइवे विभाग

हिमाचल में लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए काफी लुभावने वादे किए जा रहे हैं।

परन्तु हिमाचल के कुछ निवासी इस बार ज्यादातर पार्टियों से नाराज़ चल रहे हैं। इसका मुख्य कारण पंजाब से हिमाचल की तरफ जाने वाले एनएच 70 जालंधर-होशियरपुर के निर्माण कार्य को पिछले 8 साल में राज्य और केंद्र सरकार की अनदेखी के कारण इसका कार्य पूरा न होना है।

पंजाब और हिमाचल के लोग इस वक़्त इस हाईवे का कार्य करने वाली कंपनी द्वारा काम को बीच में छोड़ देने के कारण एक-दूसरे राज्य में आने के लिए दूसरे मार्गों का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में उन्हें अपने मंजिल तक पहुंचने में समय के साथ आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

क्यूंकि हिमाचल के ज्यादातर लोग पंजाब और अन्य राज्यों में कार्य करते है। वहीं पंजाब और दूसरे राज्य के लोग इसी मार्ग से धार्मिक स्थल की यात्रा करते हैं।

पिछले महीने खत्म हुए माता चिंतपूर्णी के मेलों में भी लोगों को निर्माण कार्य के रुके होने के कारण काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ा है और अब इसी महीने से नवरात्रे भी शुरू हो रहे हैं।

बता दें कि होशियरपुर पंजाब का एक ऐसा सूबा है जहां पिछले और मौजूदा समय में केंद्र और राज्य में रहे सांसद और विधायक दोनों को ही मंत्री बनने का मौका मिलता रहा है। बावजूद इसके किसी पार्टी के नेता ने इस हाईवे के निर्माण कार्य का सही ढंग से निरीक्षण ही नहीं किया।

जिक्रयोग्य है कि यही मार्ग आदमपुर एयरपोर्ट को भी जाता है। परन्तु इस मार्ग में रुके हुए फ्लाईओवर के काम के कारण लोगों के लिए एयरपोर्ट पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है।

आदमपुर से उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइटें शायद इन्हीं कारणों से बंद पड़ी हैं। इस कार्य का निरीक्षण लोक निर्माण विभाग होशियारपुर की नेशनल हाईवे डिवीज़न कर रही है और उनके कार्यकारी इंजीनियर द्वारा लिखित में पिछले साल आश्वासन दिया गया था कि कंपनी जून 2022 तक अपना कार्य पूरा कर लेगी। लेकिन कार्य तो पूरा हुआ नहीं वह खुद जून से पहले रिटायर होकर चले गए।

गौरतलब है कि साल 2014 में शुरू हुआ जालंधर-होशियारपुर मार्ग 2016 में बड़े लैंड घोटाले के कारण सुर्ख़ियों में आया था। जहां कुछ अधिकारियों और लैंड माफियों द्वारा नेशनल हाईवे के अधीन आते जमीन को एग्रीकल्चर रेट पर खरीद कर कमर्शियल रेट पर बेचा गया और जांच होने के बाद कई अधिकारियों पर एफआईआर भी हुई थी। अब आने वाले समय में देखना होगा कि पिछले 8 सालों से लैंड घोटाले की भेंट चढ़ चुका एनएच 70 जालंधर-होशियारपुर मार्ग आखिर कब तक पूरा होगा और आने वाले हिमाचल के विधान सभा चुनाव में भी पार्टियों को इस मुद्दे को लेकर जनता को जवाब देना पड़ेगा।

एनएच 70 जालंधर-होशियारपुर मार्ग का दयनीय हाल...बरसात में हालात बद से बद्तर हो जाता है इस कारण ट्रैफिक का बुरा हाल है वहीं दुर्घटनाएं होती रहती हैं...

केंद्रीय मंत्री का संसदीय क्षेत्र होने के बावजूद क्यूं कछुए की चाल चल रहा है जालंधर-होशियारपुर मार्ग

प्रोजेक्ट का भौगोलिक परिस्थिति के अनुकूल न होना विकास और जनता दोनों के लिए बड़ी परेशानी

नेशनल हाईवे विभाग

पिछले अंक में प्रकाशित खबर की कटिंग

घुमक्कड़ों को खूब पसंद आएगा हिमाचल प्रदेश का जीभी

हिमाचल प्रदेश में घूमने की कई जगहों में से एक है जीभी। अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं तो आपको इस जगह पर जरूर जाना चाहिए। खूबसूरत नजारे, मनोरम वातावरण और ठंडी फिजाएं आपको अपनी ओर जरूर आकर्षित करेंगी।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

प्राकृतिक और सुखदायक हवाएं, मनोरम नजारे और रात के समय टिमटिमाते तारों को देखना उस अदभूत चित्र की तरह ही तो है जिसमें अक्सर पहाड़ के बीच एक घर होता था और घर के ठीक आगे से निकलती नदी, दिन के चित्र में सूरज और रात के में चांद दिखाई देता था। अगर इस चित्र को हकीकत

HILL STATIONS

में देखने का मौका मिल जाए तो आप क्या करेंगे? हिमाचल प्रदेश में भीड़भाड़ से दूर नेचर का मजा लेने के लिए आप जीभी घूमने के लिए जा सकते हैं। चारों ओर हरियाली से घिरा ये गांव देखने में बेहद खूबसूरत है। घुमक्कड़ों और प्राकृति प्रेमियों को ये जगह खूब लुभाएगी। शांति के कुछ पल बिताने और पूरी तरह से रिलेक्स करने के लिए आप यहां घूमने जा सकते हैं।

कहां है जीभी?

जीभी ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क से बस एक घंटे की दूरी पर है। यहां आसानी से रोड के रास्ते से पहुंचा जा सकता है। खूबसूरत नजारे, देवदार के पेड़ों को देखते हुए आपका रास्ता आसानी से पूरा हो जाएगा।

जीभी में क्या करे

ट्रैकिंग के लिए आप जीभी जा सकते हैं। यहां पर पार्वती घाटी का नजारा देखते हुए ट्रीहाउस का मजा जरूर लें। इसी के साथ यहां के ऑफबीट कैफे, एडवेंचरस ट्रैक्स, कैंपिंग का लुत्फ उठाएं।

कहां रुकें

जीभी में रुकने के लिए आप होटल का कमरा बुक कर सकते हैं या फिर यहां किसी लोकल निवासी के घर पर रुक सकते हैं, जो अपने घर पर ठहरने का मौका देते हैं।

दिल्ली से जीभी

दिल्ली से जीभी करीब 498 किलोमीटर दूर है। जहां पहुंचने के लिए आपको 12 घंटे लगते हैं। जीभी के जाने के लिए आप बस या फिर कैब से भी पहुंच सकते हैं।

यूट्यूब वीडियो को देख आप जीभी की खूबसूरती का अंदाजा लगा सकते हैं। चारों तरफ घिरे पहाड़ो और पेड़ों के बीच से बहती नदी का मनोरम नजारा आपको यकीनन खूब पसंद आएगा।

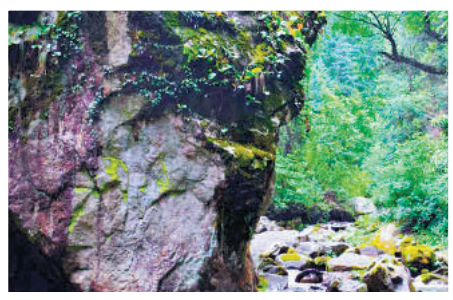

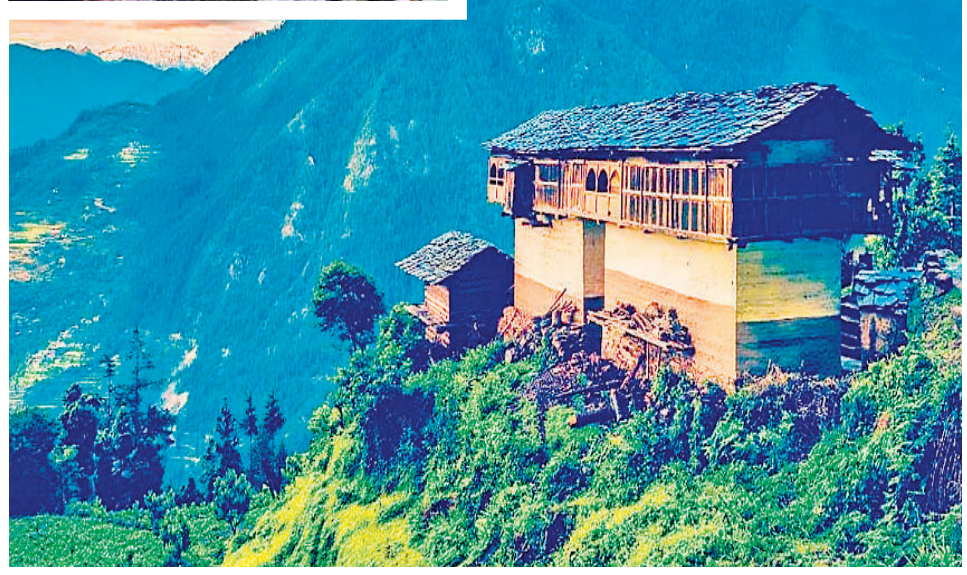

PARENTING TIPS

शर्मिंदगी से बचना है तो समय रहते छुड़वा दें बच्चों की बुरी आदतें

शुरुआत में जिन हरकतों को माता-पिता हंसी में टाल देते है वे आगे जाकर भयावह रूप ले लेती हैं और कई बार तो माता-पिता के लिए ही शर्मिंदगी की वजह बनने लगती हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि शुरुआत में ही...

आज के समय में ज्यादातर पैरेंट्स वर्किंग होने की वजह से अपने बच्चों पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते हैं। जिसकी वजह से उनके बुरी संगत में पड़ने और बिगड़ने की संभावनाएं काफी ज्यादा बढ़ जाती हैं। शुरूआत में जिन हरकतों को माता-पिता हंसी में टाल देते है वे आगे जाकर भयावह रूप ले लेती हैं और कई बार तो माता-पिता के लिए ही शर्मिंदगी की वजह बनने लगती हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि शुरूआत में ही बच्चों की इन आदतों को रोक दिया जाए। आइए जानते हैं बच्चों की ऐसी ही बुरी आदतों के बारे में।

गंदी भाषा

अगर आपका बच्चा दूसरे बच्चों से बात करते समय अपशब्दों का इस्तेमाल करता है तो समझ जाएं कि वो बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके अलावा यह भी हो सकता है कि आपके परिवार में ही कोई सदस्य इस तरह की भाषा का प्रयोग करता हो, जिसका असर बच्चे पर भी पड़ रहा हो। ध्यान रखें, बच्चों का पहला स्कूल उनका अपना घर ही होता है। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को अच्छे संस्कार देने के लिए घर का माहौल अच्छा बनाए रखे।

लड़ाई-झगड़ा करने की आदत

अगर आपका बच्चा छोटी-छोटी बातों पर दूसरे बच्चों को मारने लगता है तो उसे शुरूआत में ही ऐसा करने से रोक दें। मारपीट की आदतें बच्चा कहीं से भी सीख सकता है। ऐसे में ये जरूरी है कि उसे सही-गलत का ज्ञान करवाएं। ऐसा करते हुए उससे प्यार से बात करें।

दूसरों को चिढ़ाने की आदत-

एक दूसरे को चिढ़ाने की आदत ज्यादातर बच्चे अपने स्कूल और दोस्तों से सीखते हैं। लेकिन उनकी इस आदत को शुरू में ही रोकना जरूरी है। आपको उसे ये समझाने की जरूरत है कि ये एक बुरी आदत है।

चोरी की आदत

कई बार ऐसा देखा जाता है कि बच्चे को कोई चीज पसंद आ गई तो वो उसे पैरेंट्स से मांगने की जगह बिना सोचे-समझे अपने पास रख लेता है। ऐसी आदतें बच्चे एक दूसरे से ही सीखते हैं। ऐसे में ये हर पेरेंटस की जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों की संगत पर नजर रखें। ताकि आपका बच्चा गलत रास्ते पर ना भटकें।

जिद्द करने की आदत

बच्चों की जिद्द करने की आदत से आज ज्यादातर पैरेंट्स परेशान हैं। लेकिन कई बार ऐसा करते समय कुछ बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकियां देने लगते हैं। अगर आपका बच्चा भी ऐसा करने लगा है तो उसकी जिद्द के आगे घुटने टेकने की जगह उसे सही और गलत का फर्क समझाएं। अगर आपका बच्चा आपको इमोशनल ब्लैकमेल करें तो उसे प्यार से इस आदत को छोड़ने के लिए समझाएं।

आखिर इस बाजार में मैं क्या बेचूं?

मोटिवेशनल स्टोरी...

कोई चीज हो या सेवा, आपके पास कुछ बेचने को नहीं है, तो समझिए आपको हर पल पहाड़ चढ़ना है। तमाम लोगों को सोचना पड़ता है कि जिंदगी में आजीविका के लिए क्या किया जाए। 'क्या किया जाए' में 'क्या बेचा जाए' का सवाल शामिल है। कहा जाता है, जीवन में सफल होने के लिए यह सबसे जरूरी है कि आप पहचान लें कि आपके पास ऐसा क्या है, जो आप बेच सकते हैं।

वह युवा उद्यमी भी लगातार ऐसे सवालों से जूझ रहे थे। उन्हें पिछले व्यवसाय में तगड़ा नुकसान हुआ था। कर्ज लेकर बहुत अरमान से शुरू किया गया व्यवसाय मांग के अभाव में चौपट हो गया था। सामने सबसे बड़ा सवाल यही था कि ऐसा क्या बनाए जाए, जिसे बेचा जा सके। इसी उधेड़बुन में वह युवा उद्यमी सोचते-भटकते रहते थे। जमाना ऐसा था कि लगभग हर दूसरा सामान विदेश से बनकर आता था और देशी सामान की ज्यादा पूछ-परख नहीं थी। लोग यही मानते थे कि मशीन के सामान तो विदेशी ही अच्छे होते हैं, इसी भ्रांति में पिछला व्यवसाय डूबा था। लेकिन जिंदगी बार-बार मौका तो नहीं देगी, इसलिए युवा उद्यमी को कुछ ऐसा करना था कि पीछे मुड़कर न देखना पड़े।

उन दिनों बसते शहर मुंबई में चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही थीं। पुलिस महकमा भी कहां-कहां चौकीदारी बिठाता, तो लोगों को जागरूक करने का काम शुरू कर दिया गया था। उन्हीं दिनों एक अखबार उस युवक के हाथ लगा, जिसमें पुलिस के आला अधिकारी के हवाले से छपा था कि अपने घर-सामान की हिफाजत स्वयं करें। सावधान रहें, ताकि चोरों को मौका न मिले। आला पुलिस अधिकारी की यह अपील युवा उद्यमी को छू गई। चोरी रोकने के लिए सबसे जरूरी क्या है? ताले। ताले कहां से आते हैं, ज्यादातर विदेश से, लेकिन ताले भी चोरों का ही साथ देते हैं, क्योंकि वो बेदम हैं। आसानी से खुल जाते हैं या टूट जाते हैं। ऐसे दिखावटी तालों का कोई मतलब नहीं। तब शहरी जीवन में तालों का महत्व बढ़ता जा रहा था, क्योंकि मजदूरों, परिवारों को आए दिन अपने कमरे या घर पर ताले लगाने की जरूरत पड़ती थी। पीछे से चोर ताले खोल या तोड़ देते थे। अब पुलिस हर ताले की हिफाजत कैसे करे? क्यों न ताला ही ऐसा हो, जिसे

अर्देशिर गोदरेज, विख्यात उद्यमी

हिफाजत की जरूरत ही न पड़े, लोग घर या कमरे पर ताला लगाएं और महीनों गांव-परदेश रहें।

अट्ठाईस वर्षीय पारसी युवक ने समय और समाज की जरूरत को पढ़ लिया। तय कर लिया, वह ऐसे ताले बनाएगा, जो केवल अपनी चाभी से खुलेंगे और आसानी से नहीं टूटेंगे। उसके बाद वह उद्यमी अपने पिता के उन्हीं दोस्त मेरवानजी कामा के पास पहुंचे, जिनसे पहले भी कर्ज लेकर व्यवसाय में डुबो चुके थे। इरादा नेक और मजबूत था, जो युवक ने अपने अंकल के साथ साझा किया। जरूरी उत्पाद में निवेश का प्रस्ताव अंकल को जंच गया, वह फिर 3,000 रुपये देने को तैयार हो गए। चलते-चलते उन्होंने पूछा, 'डीकरा, ये बता कि क्या अपनी जाति में कोई ताले बनाता है?'

युवक ने जवाब दिया, 'मैं नहीं जानता, अपनी जाति में कोई ताले बनाता है या नहीं, लेकिन मैं सबसे अच्छे ताले बनाकर दिखाऊंगा।' दृढ़ युवा उद्यमी ने थोड़े प्रयास के बाद ऐसे ताले बनाने शुरू किए, जो बहुत भरोसेमंद थे। ये ताले पहले से बाजार में बिक रहे तालों की कमियों से सीखते-सुधारते बनाए गए थे। ताले चल निकले, तो कुछ दिन बाद मजबूत दराज व अलमारी का कारोबार भी चमक उठा। अंग्रेजों के तालों को भारतीय तालों ने कबाड़ साबित करना शुरू कर दिया। इंग्लैंड की महारानी ने भी भारतीय तालों का लाभ उठाया।

सबने उस युवक अर्देशिर गोदरेज (1868-1936) और उनके तालों का लोहा मान लिया। राष्ट्रभक्त गोदरेज नैतिकता से कभी समझौता नहीं करते थे। वह शिक्षा से वकील थे, लेकिन वकालत में झूठ बोलने की जब नौबत आई, तो कचहरी हमेशा के लिए छोड़ आए। ईमानदार गोदरेज को कर्ज देने वाले अंकल कामा एक बार बीमार पड़ गए, तो गोदरेज भागे-भागे सूद समेत कर्ज लौटाने पहुंचे। अंकल ने मना कर दिया, कहा, 'पैसे ले लूंगा, तो लोगों को कैसे बताऊंगा कि तुम्हारे उद्योग में मेरा भी हाथ है।' जब गोदरेज हठ करने लगे, तब अंकल ने कहा, 'कृपा होगी, मेरा भतीजा बोएस बेरोजगार है, उसे नौकरी पर रख लो।' तब गोदरेज ने जवाब दिया, 'मैं बोएस को नौकरी पर नहीं रखूंगा, उसे साझीदार बनाऊंगा।' उन्होंने अपनी कंपनी के नाम में बोएस नाम भी हमेशा के लिए जोड़ लिया। उद्यमियों की दुनिया में वह आज भी नवाचार व नैतिकता की मिसाल हैं। वाकई, दुनिया में क्षेत्र कोई भी हो, एक ताला अच्छाई का भी होता है, जो आने वाली अनेक पीढ़ियों की सुरक्षा करता है।

हर डेनिम लवर्स को ट्राई करने चाहिए ये ट्रेंडी एंड स्मार्ट स्टाइल्स

अगर आप कोई डिफरेंट लुक चाहते हैं, तो इसके लिए आपको काफी मेहनत करनी होती है। बात करें, जींस के नए पैटर्न की, तो आप चाहें वाइड पैंट पसंद करते हो या फिर स्लिम डेनिम जींस 2022 में जींस में बहुत पैटर्न है...

अपनी पसंद की यूनिक जींस तलाशना आसान नहीं है। आमतौर पर कॉमन जींस तो सभी के पास होती है लेकिन अगर आप कोई डिफरेंट लुक चाहते हैं, तो इसके लिए आपको काफी मेहनत करनी होती है। बात करें, जींस के नए पैटर्न की, तो आप चाहें वाइड पैंट पसंद करते हो या फिर स्लिम डेनिम जींस 2022 में जींस में बहुत सारे पैटर्न हैं, जो डेनिम के लिए आपका प्यार बढ़ा देंगे।

कूल कलर्स : आप अगर ब्लैक, ब्लू, व्हाइट के अलावा भी दूसरे कलर्स भी ट्राई करना चाहते हैं, तो डेनिम में काफी कलर्स आपको मिल जाएंगे। क्रीम ऑरेंज, ग्रीन, यैलो आपकी स्टाइलिंग को और ज्यादा इन्हेंस करेंगे। इसके आलावा आपको प्रिंटेड डेनिम ट्राउजर्स भी आसानी से मिल जाएंगे।

फ्लेयर्ड डेनिम्स : यह वाइड-लेग सिल्हूट आपको सर्दियों और गर्मियों दोनों के अच्चा ऑप्शन है। लंबी हेमलाइन को बैलेंस करने के लिए, चौड़े पैर वाले पैंट को क्रॉप टॉप, हाल्टर टॉप या वी-नेक टी के साथ टीमअप करें और जलवा बिखरने के लिए हमेशा रेडी रहें।

डार्क वॉश : 1990 के दशक में यह स्टाइल काफी पॉप्युलर हुआ था। अब डार्क इंडिगो डेनिम 2022 की गर्मियों में एक बार फिर से दिखाई दे रहा है। आपने अगर कभी तक इस पैटर्न को ट्राई नहीं किया है, तो इस साल इसे जरूर ट्राई करें।

डेनिम मैक्सी स्कर्ट : डेनिम मैक्सी स्कर्ट नेक्स्ट स्टेप है। असल में यह ड्रेस आपको डिफरेंट लुक देने के लिए काफी है। इस स्कर्ट को स्नीकर्स के साथ पहना जा सकता है, लेकिन आपकी हाइट अगर अच्छी है, तो फ्लैट फुटवेयर के साथ भी इसे टीमअप किया जा सकता है।

डेनिम जैकेट : डेनिम जैकेट भी किसी भी सिम्पल ड्रेस को स्टाइलिश बनाने के लिए काफी है। आप मैक्सी ड्रेस या फिर टॉप को डेनिम जैकेट के साथ स्टाइल कर सकते हैं। बरसात के दिनों या फिर हल्की सर्दी के लिए यह स्टाइल काफी कम्फर्टेबल भी लगता है।

बैंगन के इन फायदों को जानने के बाद इसे देखकर मुंह नहीं बनाएंगे, बल्कि खाने के लिए ललचाने लगेगा मन

FOOD+

आप भी अगर बैंगन को देखकर मुंह बनाते हैं, तो आपको बैंगन के फायदे जान लेने चाहिए। बहुत कम लोग जानते हैं कि बैंगन गुणों से भरपूर है। आपको अगर बैंगन खाने से हेल्थ प्रॉब्लम्स होती हैं, तो इसे न खाएं।

मजाक के तौर पर कहा जाता है कि दुनिया में दो तरह के लोग पाए जाते हैं, एक जिन्हें बैंगन बिल्कुल पसंद नहीं होता और दूसरे जो बैंगन के दीवाने होते हैं। बैंगन का भरता या भरवा बैंगन दोनों ही डिश इस सब्जी के चाहने वालों को खूब पसंद होती है। आप भी अगर बैंगन को देखकर मुंह बनाते हैं, तो आपको बैंगन के फायदे जान लेने चाहिए। बहुत कम लोग जानते हैं कि बैंगन गुणों से भरपूर है। हां, कुछ लोगों को बैंगन खाने से कब्ज की शिकायत होती है लेकिन फिर भी बैंगन फायदों के मामले में किसी से कम नहीं है। आपको अगर बैंगन खाने से हेल्थ प्रॉब्लम्स होती हैं, तो इसे न खाएं लेकिन अगर आप नापसंद होने के कारण इसे नहीं खाते हैं, तो इसके फायदे जरूर जानें। क्या पता इसके बाद आपका मन इसे खाने का करने लगे।

ब्रेन बूस्टर

बैंगन फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरे हुए होते हैं, जो रसायन मस्तिष्क को कार्य करने में मदद करने के लिए जाना जाता है। अपने आहार में बैंगन को शामिल करने से याददाश्त तेज होती है। मेंटल हेल्थ में सुधार करने के लिए भी बैंगन बहुत फायदेमंद है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

बैंगन का सेवन हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ जुड़ा हुआ है। बैंगन का चमकदार बैंगनी रंग न केवल देखने में सुंदर है, बल्कि सुंदर रंग के लिए जिम्मेदार फेनोलिक यौगिक, केवल रंग जोड़ने के अलावा और भी बहुत कुछ करते हैं। बैंगन खाने से ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों में मदद मिल सकती है। बैंगन आयरन और कैल्शियम से भी भरपूर होते हैं, इसलिए बैंगन खाना आपकी हड्डियों के लिए अच्छा हो सकता है।

एंटी कैंसर गुण

बैंगन एंटीऑक्सिडेंट, खासकर मैंगनीज से भरपूर होते हैं। बैंगन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं और संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। आपके शरीर में ऑक्सीडेंट की मात्रा का स्तर यह सुनिश्चित करता है कि आपके शरीर के अंग की कोशिकाएं कैंसर से सुरक्षित है।

एनीमिया से बचाव

आयरन से भरपूर होने के कारण बैंगन एनीमिया की रोकथाम में मददगार होता है। बैंगन खाने से एनीमिक लोगों में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ सकता है। एनीमिया अक्सर लोगों को कमजोर और थका हुआ बना देता है। बैंगन से आयरन की कमी पूरी होती है।

वेट लॉस

बैंगन कोलेस्ट्रॉल में कम और फाइबर में उच्च होते हैं। बैंगन की कम वसा वाली सामग्री इसे वजन घटाने के लिए कारगर बनाते हैं। बैंगन में फाइबर होता है इसलिए इसे खाने से आपका पेट लम्बे समय तक भरा रहता है।

दिल की बीमारियों के लिए फायदेमंद

बैंगन दिल की बीमारियों से भी बचाव करता है। रेशेदार, बैंगन कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है। बैंगन में मौजूद पॉलीफेनोल शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

पुस्तक संस्कृति और पुस्तक मेलों का मौसम

***सूर्य कांत शर्मा** पिछले 35-36 वर्षों से समसामयिक विषयों और सरकारी योजनाओं और समाज की समस्याओं पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखते रहे हैं । वह कृषि मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, एनसीईआरटी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग में भी कार्य कर चुके हैं।सभी प्रतिष्ठित समाचार पत्रों,पत्रिकाओं एवं पीआईबी में भी इनके कई फीचर प्रकाशित हो चुके हैं।*

• **जालंधर ब्रीज.** एजुकेशन

विश्व के टॉप दस देशों में भारत का स्थान काफी समय से बना हुआ है। हो भी क्यों ना,पुस्तक को हमारी संस्कृति में ईश्वर या उसके सदर्श पूजा और माना जाता है।गुरुग्रंथ साहिब,रामायण गीता,कुरान बाइबल और जेंद अवेस्ता – पारसी धर्मग्रंथ इसके सजीव और प्रचलित उदाहरण हैं। हमारे जनसंख्या बहुल देश में पुस्तकें ज्ञान और मनोरंजन के साथ साथ रोजी –रोटी का भी साधन रही हैं।वर्तमान समय जब आज़ादी का अमृत महोत्सव अपने चरम पर है और अमृत काल की धमक सुनी जा सकती है। इसके साथ- साथ एक और बात जो हमारी देश में पुस्तकों के महत्त्व को उकेरती है कि हमारे यहां पुस्तक का सृजन, पठन और सहेज कर रखना हम भारतीयों को पुस्तक संस्कृति के अग्रदूतों में शामिल करता है।वर्तमान में कॉविड 19 की गिरफ्त से निकलता भारत आत्मनिर्भरता के प्रारंभिक चरणों में से गुजरता हुआ एक परिपक्व में पहुंचने को कृत संकल्प है और इस में हमारी पुस्तक संस्कृति का भी अहम योगदान है।

पुस्तक संस्कृति की बात हो और पुस्तक मेलों की चर्चा ना हो तो फिर हमारे जनमानस और देश को प्रसन्न और उत्सवधर्मा जनसंख्या वाला कैसे कहा जाएगा?! तो लीजिए इस बार के पुस्तक मेलों की शुरुआत बस होने ही वाली है।भारतीय प्रकाशक संघ सितंबर माह में दिल्ली पुस्तक मेला संभवतः 13से 17 सितंबर में आभासी अंदाज़ यानी वर्चुअल मोड /ऑनलाइन में आईटीपीओ के सहयोग से करने वाला है और 21 से 25दिसंबर 2022 में इसका फिजिकल यानी असली रूप में होना तय माना जा रहा है।यह दोनों प्रारूप दिल्ली और समूचे भारत को कितना आकर्षित कर इन आयोजनों में खींच पाएंगे इस प्रश्न का उत्तर तो भविष्य ही दे पाएगा।पर इतना तो तय हो गया कि निजी क्षेत्र ने अब पुस्तक मेला आयोजन में पहल कर सरकारी आयोजन यानी नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने भी अपने चेयरमैन प्रोफेसर गोविंद प्रसाद शर्मा और लेफ्टिनेंट कर्नल श्री युवराज मालिक निदेशक के स्तर से यह स्पष्ट कर दिया है कि सन 2022 ना सही पर फरवरी 2023 में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला आईटीपीओ के सहयोग से विश्वस्तरीय नवनिर्मित प्रगति मैदान में अवश्य ही होगा; तिथियों की घोषणा अभी शेष है और ऐसा स्वाभाविक भी है क्योंकि विश्व स्तरीय पुस्तक मेला आयोजन में बहुत सी व्यवस्थाओं का आकलन और सामंजस्य बेहद अनिवार्य है।यह कड़वा तथ्य भी कि कोविड महामारी से रिकॉर्ड टीकाकरण के बाद हमारा देश इन बड़े आयोजनों को करने की स्थिति में आया है और हमारे विदेशी मेहमान भी तो आश्वस्त होने की अंदाज़ में हों कि अब भारत जाने में अनेक कोई हिचक नहीं है।

तो पुस्तक मेलों के आयोजन और उनकी तिथियां तो ज्ञात हो गई हैं।अब बात हमारी पुस्तक संस्कृति के प्रचार प्रसार और बुक रीडिंग की अभिरुचि को सिलसिलेवार कैसे बढ़ाया और निरंतर सशक्त रखा जाए।यूं भी अब हमारा देश युवाओं का देश है और यह यौवन का इंद्रधनुष अमृत काल यानी 2047तक रहने का अंदाज़ा है तब उसके बाद हम परिपक्व राष्ट्र की श्रेणी में होंगे। और डिजिटल प्रकाशन भी आजकल काफी प्रचलन में है और यह अब एक अनिवार्य अंग बन गया है और हमारा युवा इसे बहुत पसंद भी करता है।हमारी वर्तमान सरकार ने इस पर काफी गहन विचार के बाद इस पर बहुत कार्य योजनाओं को मूर्त रूप दिया है और कोरोना काल में डिजिटल मोड एक संकटमोचक रूप में आया और पुस्तक संस्कृति और पढ़ने की आदत को काफी बचाया और सहेजा भी है।परंतु यह एक विकल्प के रूप में प्रयोग में लाया जाना चाहिए।सही अर्थों में तो हमें अपने जन मानस और विशेष रूप से युवाओं को पुस्तकों से जोड़ना ही होगा क्योंकि पुस्तक के पेज को पलटना ,शब्दों के अर्थों को डिक्शनरी में देखना एक मानसिक कवायद का मौका और योग्यता बढ़ाने का मौका दोनों ही देते हैं और इसकी आज के

ग्लोकल से ग्लोबल होते भारत को है भी। एक और पक्ष जो हमारे पुस्तक प्रकाशन उद्योग से जुड़ा है और जिस पर बहुत अधिक ध्यान देने की महती आवश्यकता है वह है कॉपी राइट! और उसका कड़ाई से पालन। यदि हम ऐसा कर सकते हैं तो ना केवल स्थानीय,प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर वरन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी यही पुस्तक संस्कृति और पढ़ने की आदत हमें विश्व के श्रेष्ठतम राष्ट्रों की श्रेणी में ला खड़ा करेगा।इस के अतिरिक्त विश्व स्तरीय प्रकाशक और बहुत से विश्व स्तरीय पुस्तक महागतिविधियों और मेलों का रास्ता साफ हो जाएगा और देश में विदेशी निवेश की भी संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

अलबत्ता हर स्थिति में पुस्तक पठन और प्रचलित अंदाज़ में बुक रीडिंग कल्चर का निरंतर बढ़ते रहना ,हमारे देश और जनमानस के हित में ही होगा।यहीं पर कहीं जरूरत महसूस होती है कुछ परिपक्व और दूरगामी एक्शन प्लान या कार्य योजना की।

यहां पर कुछ सुझाव नितांत आवश्यक है, यथा

- हमारी पुस्तक नीति का बनना और उसका क्रियान्वयन राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संदर्भ में होना।
- निजी और पब्लिक क्षेत्र का साथ साथ समन्वन्य और फिर किसी ज्वाइंट वेंचर यानी संयुक्त संस्थान का कार्य स्थिति में आना।
- सरकारी क्रयादेशों का समान रूप से दोनों क्षेत्रों को मिलना और खरीदी गई पुस्तकों को आमजन तक पहुंचाने की एक मैं मजबूत व्यवस्था का कार्य करने की व्यवहारिक हालात में आना।
- मीडिया के द्वारा समुचित कवरेज और आम जनमानस में से नए लेखकों को चुनना,रुचि के अनुरूप पुस्तकों का सृजन और विपणन।
- सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं को अपनी प्रकाशन और रॉयल्टी की नीति को स्पष्ट रूप से सोशल मीडिया पर प्रस्तुत करना।
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा शैक्षिक संस्थानों के सभी पक्षों का पुस्तक गतिविधियों में शामिल होना और उसकी समीक्षा।
- डिजिटल प्रकाशन एक बाजार का वांछित आयाम बन कर सामने आया है और यह हमारे देश के लिए बेहद जरूरी भी है इस ओर विशेष प्रयास पेशेवर रुख से होने चाहिएं।
- क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तक प्रकाशन और उनकी उपलब्धता भी स्थानीय और प्रादेशिक स्तर पर पुस्तक कल्चर और पढ़ने की आदत को नया आयाम और दिशा दे सकते हैं अतः इस प्रकार के नवाचार/इनोवेशन हमें करने ही होंगे और यहीं से स्थानीय और प्रादेशिक स्तर और भाषाओं के पुस्तक मेलों और गतिविधियों का रास्ता भी निकलेगा।
- एक लीक से हटकर सुझाव वह यह की पुस्तक प्रकाशन के तकनीकी कार्यों से जुड़े अनुभवी व्यक्तियों को पुस्तक मेला या संबंधित गतिविधियों में बोलने और लिखने के लिए प्रेरित करना क्योंकि यह वह लोग हैं जो अपनी बात को सीधी साफ-साफ, सपाट भाषा में जनमानस को समझा सकते हैं और पुस्तक संस्कृति और किताब पढ़ने की इच्छा शक्ति या ललक को पैदा कर बढ़ा सकते हैं।

आजकल का युवा और आम जन अब बड़े- बड़े ग्रंथों की बजाय संक्षिप्त परन्तु सारगर्भित पुस्तकें पढ़ना चाहता है सो पुस्तकें भी उसी अंदाज़ में सोची समझी और सृजित की जानी चाहिएं। तभी हमारी पुस्तक संस्कृति विश्व पटल पर कोई गहरा असर छोड़ पाएगी।तो चलिए अब प्रतीक्षा रहेगी सितंबर माह से फरवरी 2023 तक के पुस्तक उत्सवों की और पढ़ने की आदत को और बेहतर बनाने के प्रयासों की।

यूं भी हमारे देश की राजधानी दिल्ली सन 2003 में विश्व पुस्तक राजधानी रहने का गौरव प्राप्त कर चुकी है और इस गौरव का दोबारा प्राप्त होना अभी शेष है उम्मीद है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास अन्य संस्थाएं सरकारी या गैर सरकारी सभी मिलजुल कर पुस्तक संस्कृति और पढ़ने की आदत को स्थायित्व प्रदान करेंगी और उन्हें दिल्ली या देश के किसी अन्य शहर को विश्व पुस्तक राजधानी होने का ताज पहना सकेंगी।

निकोला टेस्ला, विख्यात वैज्ञानिक

पिता ने सोच रखा था कि बेटा भी पुजारी बन जाएगा, तो निश्चिंत रहेगा। बाइबिल की अच्छी-अच्छी बातें लोगों को बताएगा, लोग भाव-विभोर होकर सुनेंगे। उसके पास सैनिक भी आएंगे, व्यवसायी भी आएंगे...

पिता ने कह दिया, बन जा इंजीनियर

• **जालंधर ब्रीज.** स्टोरी

वह एक बहुत मनोरम पहाड़ी गांव था, वहां से समुद्र भी बहुत दूर नहीं था, तो मौसम साल भर सुहाना रहता था। मानो रचनात्मकता से सराबोर हवा बहती थी, जो कुछ अच्छा करने के लिए प्रेरित करती थी। वाकई, आविष्कार के दो ही आधार होते हैं, अव्वल तो कोई बड़ी परेशानी हो, जिससे निकलने के लिए मनुष्य कुछ रचे और दूसरा, परिवेश ही इतना स्वस्थ हो कि दिमाग कुछ रचने के लिए स्वत: उद्वेलित रहे। हम कह सकते हैं कि इसी दूसरे आधार पर वह गांव स्मिजन बसा हुआ था, जो लाइका क्षेत्र में तत्कालीन ऑस्ट्रियन-हंगेरियन साम्राज्य का हिस्सा था।

वहां थोड़े से लोग बड़ी खुशी से रहते थे। वहीं जवानी की दहलीज पर खड़ा एक तेज लड़का भी रहता था। उसकी स्मृति ऐसी थी कि पृष्ठ दर पृष्ठ दिमाग में छप जाते थे, लेकिन जीवन में आगे क्या करना है, चर्च में पेस्टर या फादर ही तो बनना है? पिता भी वही हैं, रूढ़िवादी पुजारी। धर्म की सेवा को समर्पित, स्नेहिल और परंपराओं के लिए कठोर भी। पिता ने तय कर रखा है कि बेटा भी पुजारी बनेगा। उस छोटे से गांव और उसके आसपास पुजारी की बड़ी इज्जत होती थी, सब लोग बात मानते थे, पुजारी बड़े रसूखदार होते थे। शासन में भी उनकी सुनी जाती थी और लड़ाई व युद्ध के समय भी पुजारियों को सबसे कम नुकसान होता था। पिता ने सोच रखा था कि बेटा भी पुजारी बन जाएगा, तो निश्चिंत रहेगा, किसी तरह का खतरा उस पर नहीं मंडराएगा। बाइबिल की अच्छी-अच्छी बातें लोगों को बताएगा, लोग भाव-विभोर होकर सुनेंगे। उसके पास सैनिक भी आएंगे, व्यवसायी भी आएंगे, उसके पास कभी कोई अभाव नहीं होगा और सबसे बड़ी बात कि वह अपने घर-गांव में ही हमेशा रहेगा। लेकिन मां बिल्कुल अलग

थीं, बेहद प्रतिभाशाली, मेहनती। रसोई से लेकर खेतों तक वह पूरी ऊर्जा के साथ लगी रहती थीं। खेत से चूल्हे तक कई तरह के औजार उन्होंने अपनी सहूलियत के लिए बना रखे थे और उपयोगी औजारों के बारे में लगातार सोचती रहती थीं। वह कहती थीं कि हमारी समस्याएं हमको मालूम हैं, तो उनसे लड़ने के औजार हमें ही बनाने पड़ेंगे। मां अपनी रचनात्मकता से ज्यादा खींचती थीं, पर फैसला तो पिता ले चुके थे कि कुछ भी हो जाए, बेटा पुजारी बनेगा। जिंदगी चल रही थी, पिता के पुस्तकालय की हर किताब से वह किशोर गुजर चुका था। हिसाब लगाने में इतना तेज था कि शिक्षकों को लगता था, कहीं छल तो नहीं कर रहा है। लोग सोचते थे, इसके दिमाग में न जाने क्या-क्या चलता रहता है। वाकई, उस लड़के की दृष्टि अद्भुत थी। एक दिन नियाग्रा जलप्रपात दर्शाता एक शिल्प आंखों के सामने आया, तो उसे एक विशाल जलचक्र घूमता दिखाई देने लगा। उसने पास खड़े एक अंकल से कहा, देखना, एक दिन अमेरिका जाऊंगा और बिजली पर कब्जा कर लूंगा।

बिजली तो दुनिया में हमेशा से थी, लेकिन उसे इस्तेमाल योग्य नहीं बनाया जा सका था। अनेक वैज्ञानिक इस काम में लगे थे, गांव का वह लड़का भी इसी दिशा में सोच रहा था, लेकिन अफसोस, पिता तो पुजारी बनाना चाहते थे। उन्हीं दिनों एक अजीब सी हवा चली, हैजा फैला और उस लड़के को भी दस्त शुरू हो गए। हैजा तब बहुत खतरनाक माना जाता था, कम ही लोग मौत के मुंह में जाने से बचते थे। पिता बहुत चिंतित हुए, बेटे से बार-बार कहते थे कि एक बार ठीक हो जा। बेटे में उत्साह न था, उसने कहा, 'ठीक होकर क्या, बनना तो पुजारी ही है?'

पिता द्रवित हो गए, 'ऐसा न बोल, बन जाना, जो बनना चाहता है, पर एक बार ठीक हो जा। मैं तेरे लिए प्रार्थना करता हूं।'

बेटे ने पूछा, 'बच गया, तो इंजीनियर बनने देंगे? पिता ने सहर्ष हामी भरी, तो बेटे के मन में अचानक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उसे लगा कि उसका बचना जरूरी है। कुछ ही दिन में वह स्वस्थ हो गया, तो उसकी चाहत हकीकत बन गई। इस घटना के महज दस साल बाद पूरी दुनिया एक इंजीनियर को पहचानने लगी, जिसका नाम था- निकोला टेस्ला (1856-1943)। उनके जीवन में आविष्कारों का एक सिलसिला चला। उन्होंने एसी करंट डायनोमो, मोटर इंडक्शन का आविष्कार किया। बिजली निर्माण और उसके प्रसारण के स्वप्न को साकार किया। दुनिया भर में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को वह कारगर सलाह देते थे। अनेक कंपनियों और अमीरों को उनसे खूब लाभ हुआ। उनका ध्यान धन पर नहीं, सिर्फ वैज्ञानिक विकास पर केंद्रित था। विज्ञान के ये संत अपने समय से काफी आगे जाकर सोच रहे थे। बाद के दिनों में वह बेतार फोन व्यवस्था पर काम कर रहे थे। 10 जुलाई को जन्मे टेस्ला की दुनिया हमेशा ऋणी रहेगी। कहा जाता है, कुछ वर्ष वह और जीवित रह जाते, तो शायद विद्युत प्रसारण के लिए तार की जरूरत भी नहीं रह जाती।

चेचक के उपचार में इस्तेमाल होने वाली टेकोविरिमैट दवा मंकीपॉक्स के उपचार में भी प्रभावी

टेकोविरिमैट (टीपीओएक्सएक्स) चेचक के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एंटीवायरल दवा है। यह दवा वायरस की बाहरी परत को खोलने वाले प्रोटीन की क्रिया को बाधित कर शरीर में वायरस के प्रसार को सीमित करती है।

वर्ल्ड न्यूज. एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट के मंकीपॉक्स संक्रमण के उपचार में प्रभावी होने की बात सामने आई है। मंकीपॉक्स से संक्रमित 25 रोगियों पर किए गए एक छोटे अध्ययन को पत्रिका जेएएमए में प्रकाशित किया गया है। मंकीपॉक्स के रोगियों का उपचार एंटीवायरल के साथ किए जाने के परिणामों का यह सबसे शुरुआती आकलन है।

प्रमुख अध्ययनकर्ता और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में वरिष्ठ संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंजिल देसाई ने कहा, मंकीपॉक्स संक्रमण के लिए टेकोविरिमैट के इस्तेमाल पर हमारे पास बहुत सीमित क्लीनिकल आंकड़े हैं। रोग के प्राकृतिक रूप से पनपने के बारे में और इस पर टेकोविरिमैट और अन्य एंटीवायरल दवाओं के प्रभाव के बारे में जानने के लिए और अध्ययन किए जाने की जरूरत है।

चेचक में इस्तेमाल : टेकोविरिमैट (टीपीओएक्सएक्स) चेचक के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एंटीवायरल दवा है। यह दवा वायरस की बाहरी परत को खोलने वाले प्रोटीन की क्रिया को बाधित कर शरीर में वायरस के प्रसार को सीमित करती है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने हाल ही में डॉक्टरों को मंकीपॉक्स सहित अन्य ऑर्थोपॉक्स वायरस के संक्रमण वाले मरीजों के उपचार के लिए टेकोविरिमैट का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

भाजपा अनपढ़ों की पार्टी, एलजी के फाइल वापस करने पर भी बोले मनीष सिसोदिया

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनपढ़ों की पार्टी है और वे देश को अशिक्षित रखना चाहते हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर फिर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अनपढ़ों की पार्टी है और वे देश को अशिक्षित रखना चाहते हैं। दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा राष्ट्रीय राजधानी में सरकारी स्कूलों को बंद करने का लक्ष्य लेकर चल रही है जैसा कि उन्होंने अन्य राज्यों में किया है। केजरीवाल के साइन नहीं है कहकर उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से फाइल वापस लौटाने पर भी सिसोदिया ने बयान दिया है।

एक संवाददाता सम्मेलन में मनीष सिसोदिया ने कहा, "दिल्ली के सरकारी स्कूल कई निजी स्कूलों से परे हैं। यह (भाजपा) अनपढ़ों की पार्टी है जो देश को निरक्षर रखना चाहती है। अपने ही राज्यों में, उन्होंने कई सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है। उन्हें जांच करनी चाहिए कि इतने सारे सरकारी स्कूल क्यों हैं, उनके शासन में, बंद हो गए हैं।"

उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्ली में आप के नेतृत्व वाली सरकार को खत्म करने पर तुली हुई है और क्योंकि उनके आवास पर सीबीआई की छापेमारी बेकार है, केंद्र में भाजपा दिल्ली के सरकारी स्कूलों में खामियां निकालने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे बताओ, सीबीआई छापे के 10 दिनों के बाद भी क्या मिला है? अगर कथित शराब घोटाले में कुछ भी नहीं निकलता है, तो वे (भाजपा) कह रहे हैं कि स्कूलों के निर्माण में उल्लंघन

हुआ है।" साथ ही कहा, "ये सब बातें झूठी हैं, दिल्ली के सरकारी स्कूल शानदार हैं।"

दिल्ली शिक्षा मॉडल में आप के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, "2015 से, केजरीवाल सरकार द्वारा 700 नए स्कूल भवन बनाए गए हैं। ये स्कूल निजी स्कूलों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं।"

उपराज्यपाल पर भी बोले : फाइलों पर सीएम केजरीवाल के हस्ताक्षर न होने और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा वापस किए जाने के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि यह एक नियमित प्रक्रिया थी। मनीष सिसोदिया ने कहा, "उपराज्यपाल की तरह व्यवहार करें, सर।"

राजस्व रिकार्ड में हेराफेरी करके शामलाट ज़मीन बेचने के मामले में वांछित दो मुलजिम गिरफ़्तार

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

करोड़ों रुपए की ज़मीन को ग़ैर-कानूनी तरीके से हड़पने वाले भू-माफिया के ख़िलाफ़ शिकंजा कसते हुये पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने गुरूवार को पंचकुला जिले के गाँव कोना निवासी प्रवीन कुमार और वीर सिंह को गिरफ़्तार किया है जो राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभुगत से एस. ए. एस. नगर जिले के गाँव माजरियां की लगभग 558 एकड़ (4624 कनाल) पंचायती ज़मीन के इंतकाल सम्बन्धी राजस्व रिकार्ड के साथ छेड़छाड़ करने के दोष में शामिल थे।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि ब्यूरो की तरफ से गाँव माजरियां, सब तहसील माजरी, तहसील खरड़, ज़िला एसएएस नगर के राजस्व रिकार्ड के साथ की छेड़छाड़ सम्बन्धी 2019 में मोहाली में दर्ज शिकायत नं. 370 की पड़ताल के उपरांत पहले ही सब तहसील माजरी के राजस्व विभाग के अधिकारियों और निजी व्यक्तियों/ प्रापर्टी डीलरों के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की धारा 7 और आईपीसी की अलग-अलग धाराओं के अधीन के थाना फेज़-1 एसएएस नगर में अपराधिक मामला दर्ज किया हुआ है।

राजस्व पटवारी रिश्वत लेता रंगे हाथों काबू

चंडीगढ़. पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध शुरु की मुहिम के दौरान आज राजस्व हलका भलाईआना, ज़िला श्री मुक्तसर साहिब में तैनात पटवारी गुरदास सिंह को 4000 रुपए की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू किया है। विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि गुरदास सिंह को गाँव भलाईआना, तहसील गिद्दड़बाहा के रहने वाले गुरदीप सिंह की शिकायत पर गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया कि उक्त पटवारी उसकी ज़मीन का नक्शा देने के एवज में 4000 रुपए की माँग कर रहा है। सूचना की पड़ताल करने के उपरांत विजीलैंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और दोषी पटवारी को दो सरकारी गवाहों की हाज़िरी में शिकायतकर्ता से 4000 रुपए की रिश्वत लेते हुये मौके पर ही काबू कर लिया। उन्होंने बताया कि मुलजिम के ख़िलाफ़ भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के अंतर्गत विजीलैंस ब्यूरो के थाना बठिंडा में मुकदमा दर्ज करके आगे कार्यवाही आरंभ कर दी गई है।

स्पैशल डीजीपी आर्मड पुलिस इकबाल प्रीत सिंह सहोता हुए सेवामुक्त

पीएपी में 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी को दी गई विदाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

राज्य सशस्त्र पुलिस जालंधर के स्पैशल डायरैक्टर जनरल पुलिस आईपीएस अधिकारी इकबाल प्रीत सिंह सहोता 60 साल की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त हुए, उनके सम्मान में पीएपी परिसर में विदाई परेड का आयोजन किया गया, जिससे स्पैशल डीजीपी ने सलामी ली।

1988 बैच के आईपीएस अधिकारी इकबाल प्रीत सिंह सहोता ने अपने करियर के दौरान एसीपी से लेकर डीजीपी रैंक तक विभिन्न पदों पर सेवाएं निभाई। एमए राजनीति शास्त्र करने और आईपीएस बनने के बाद इकबाल प्रीत सिंह सहोता ने होशियारपुर, तरनतारन, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, अमृतसर देहाती और बरनाला में एसएसपी के तौर पर सेवाएं निभाई और प्रथम आईआरबी के कमांडेंट बने रहने के साथ पटियाला फिरोजपुर और बार्डर रेंज में बतौर डीआईजी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई।

स्पैशल डीजीपी के पद से सेवानिवृत्त सहोता ने एसएसपी व डीआईजी रहते जनहितैषी नीतियों के विकास के साथ-साथ अपराध पर लगाम लगाने के लिए अहम कदम उठाए।

जिला रोजगार ब्यूरो आफ अप्रैंटरशिप योजना संबंधी औद्योगिक इकाईयों के साथ बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

जिला रोजगार एंव कारोबार ब्यूरो में जिले के अलग-अलग औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करके पंजाब कौशल विकास मिशन अधीन नैशनल अप्रैंटरशिप प्रोमोशन योजना संबंधी जानकारी सांझा की गई।जिसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला रोजगार उत्पति कौशल विकास एवं प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती नीलम महे ने कहा कि जिले के औद्योगिक संस्थानो में आई.टी.आई. पास प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित उम्मीदवारों को ट्रेनिंग पर रखना होता है। इस बीच उम्मीदवारों को एक वजीफा दिया जाता है, जिसमें से 25% केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। इस बैठक में आठ उद्योग आईटीसी लिमिटेड, जगजीत इंडस्ट्रीज, रेल टेक टेक्नोलाजी, हंसपाल ट्रेडर्स, रेल कोच फैक्ट्री, ईएसएसके इंजीनियरिंग, बेस्ट वेस्टर्न होटल और जैन सॉल्वेक्स एंड एक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रखंड मिशन मैनेजर ने पंजाब कौशल विकास मिशन की योजनाओं और नैशनल अप्रैंटरशिप योजना की विस्तृत जानकारी सांझा की।

राष्ट्रीय पौषन अभियान माह अधीन गतिविधियां करने के निर्देश

जालंधर ब्रीज. कपूरथला

राष्ट्रीय पौषन अभियान माह 1 सितंबर से मनाया जा रहा है, इस कार्यक्रम के अधीन आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के साथ तालमेल कर गर्भवती महिलाओं और बच्चों की जांच संबंधी कैंप का आयोजन किया जाएगा, यह बारे में सिविल सर्जन डा. गुरिंदरबीर कौर ने कपूरथला जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश जारी किए। डा. गुरिंदरबीर कौर ने कहा कि आंगनबाडी और स्कूलों में किशोर बच्चों के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और इस दौरान बच्चों की ऊंचाई और वजन की भी जांच होगी। छह साल से कम और किशोर बच्चों की अनीमिया की जांच संबंधी स्कूलों में जांच कैंप लगाए जाएंगे और आईएफए की गोलियां और एल्बेंडाजोल की गोलियां भी दी जाएंगी।

एडीसी ने पंजाब निर्माण प्रोग्राम के अधीन किए गए कार्यों का जायजा लिया

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने पंजाब निर्माण प्रोग्राम 2021-22 अधीन जिले में करवाए जा रहे विकास कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने और पूरे हो चुके कार्यों का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही उन्होंने विकास कार्यों के लिए प्राप्त राशि में से जो राशि प्रयोग नहीं की गई उसे ब्याज सहित तत्काल राजकोष में जमा करने को भी कहा। उन्होंने स्थानीय जिला स्तरीय परिसर में बैठक के दौरान पंजाब निर्माण कार्यक्रम 2021-22 के दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे और पूरे हो चुके विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पूरे हो चुके विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र में पूर्ण हो चुकी योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र डीसी दफ्तर में तत्काल जमा करवाया जाए। एडीसी ने योजना विभाग द्वारा वर्ष 2021-22 के दौरान जारी की गई राशि से ब्याज सहित अप्रयुक्त राशि को तत्काल राजकोष में जमा करवाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने को लगाए जाएंगे विशेष कैंप : जिला चुनाव अधिकारी

जालंधर ब्रीज. जालंधर

डीसी-कम-जिला चुनाव अधिकारी जसप्रीत सिंह ने गुरुवार को कहा कि वोटर सूची को और अधिक उचित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से वोटर कार्ड को आधार से लिंक करने के लिए जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाए जा रहे है। डीसी ने कहा कि सभी सुपरवाईजरों व बीएलओ द्वारा हर महीने एक रविवार को विशेष कैंप लगाया जाएगा। पहला कैंप 4 सितंबर को लगेगा। दूसरा, तीसरा और चौथा कैंप क्रमअनुसार- 16 अक्तूबर, 20 नवंबर और 4 दिसंबर 2022 को होगा। पांचवां कैंप 8 जनवरी 2023 को, छठा कैंप 5 फरवरी को व सातवां 5 मार्च को लगेगा। बीएलओ सुबह 9 से शाम 5 बजे तक पोलिंग बूथों पर बैठकर फार्म-6 बी में आधार नंबर एकत्रित करेंगे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर द्वारा उद्यमी महिलाओं का सम्मान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज होटल विंडहैम, मोहाली में करवाए 'द इंसपायरिंग पिलरस', सैलीब्रेटिंग वूमैन अचीवमैंटस समारोह में उद्यमी महिलाओं का सम्मान किया। समागम को संबोधन करते हुये डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि समाज महिलाओं बिना अधूरा है। इस समागम का मकसद मौजूदा समय में अलग-अलग क्षेत्रों में सफलतापूर्वक उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं में हिम्मत और उत्साह पैदा करना है। यह समागम सभी कामकाजी/ घरेलू काम करने वाली महिलाओं की अनसुनी कहानियों को इस समागम में नामज़द करने और अपने आप को समर्थ बनाने के लिए न्योता दिया गया।

उन्होंने कहा कि आज का युग महिलाओं के लिए सभी दिशाओं में विकास करने के मौके हैं। इस मौके पर प्रोग्राम के अंत में उनकी तरफ से अलग-अलग क्षेत्रों में उच्च स्थान प्राप्त करने वाली उद्यमी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

समागम के दौरान विधायक हलका अमृतसर (पूर्वी) से जीवन जोत कौर, हलका लुधियाना (दक्षिणी) से विधायक राजिन्दर पाल कौर विशेष तौर पर उपस्थित थे।

मीत हेयर ने जूनियर एशियन वॉलीबाल चैंपियनशिप के उप विजेता जोशनूर ढींढसा से की मुलाकात

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने बहरीन में बीते दिनों सम्पन्न हुई जूनियर एशियन वॉलीबाल चैंपियनशिप में उप विजेता रही भारतीय वॉलीबाल टीम के अहम खिलाड़ी जोशनूर ढींडसा को निजी तौर पर मिलकर मुबारकबाद देते हुये हौंसला अफ़ज़ायी की। चंडीगढ़ में अपनी रिहायश पर जोशनूर ढींडसा को मुलाकात करते हुये खेल मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व अधीन राज्य सरकार फिर पंजाब को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर कोशिशें कर रही है। जोशनूर जैसे उभरते खिलाड़ी राज्य का भविष्य है। उन्होंने कहा कि इस खिलाड़ी को आगे बढ़ने के लिए खेल विभाग की तरफ से हर तरह का सहयोग दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जोशनूर की प्राप्ति छोटी उम्र के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। खेल मंत्री ने उसे भविष्य के लिए शुभकामनाएँ भी दीं।

पंजाब के 10 जिलों में वृद्ध आश्रम खोलने का प्रस्ताव : डॉ. बलजीत कौर

जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पंजाब सरकार बठिंडा, फ़तेहगढ़ साहिब, जालंधर, कपूरथला, पटियाला, तरन तारन, गुरदासपुर, शहीद भगत सिंह नगर, एसएएस नगर और मलेरकोटला जिलों में वृद्ध आश्रम खोलने जा रही है। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि राज्य सरकार के ध्यान में आया है कि राज्य में वृद्ध आश्रम की ज़रूरत है जिसको ध्यान में रखते हुये राज्य में बुज़ुर्गों के लिए वृद्ध आश्रम खोलने का प्रस्ताव बनाया है। सरकार की तरफ से मूलभूत तौर पर रजिस्टर्ड ग़ैर सरकारी संस्थाओं/ ट्रस्ट/ रेड क्रॉस सोसायटी को वित्तीय सहायता देकर इन वृद्ध आश्रमों को चलाया जायेगा। यह वृद्ध आश्रम 25 बुज़ुर्गों से लेकर 150 बुज़ुर्गों की देखभाल के समर्थ होंगे।

अमन अरोड़ा द्वारा "खेडां वतन पंजाब दियां" का आग़ाज़

दौड़ में हिस्सा लेकर खिलाड़ियों को किया प्रेरित

• **जालंधर ब्रीज.** संगरूर

खेल महांकुंभ ''खेडां वतन पंजाब दियां'' के द्वारा राज्य में खेल सभ्याचार को प्रफुलित करने के लिए बड़ा प्रयास किया गया है जोकि पिछली सरकारों की तरफ से कई दशकों से अनदेखा किया गया था। यह प्रगटावा पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत और आवास निर्माण और शहरी विकास मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने संगरूर के वार हीरोज़ स्टेडियम में ब्लाक स्तरीय ''खेडां वतन पंजाब दियां'' का शानदार आग़ाज़ करने के लिए करवाए गए समागम की अध्यक्षता करते हुये किया।

अमन अरोड़ा ने विधायक नरिन्दर कौर भराज, डिप्टी कमिशनर जतिन्दर जोरवाल, एस. एस. पी. मनदीप सिंह सिद्धू और अन्य प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित 200 मीटर की प्रदर्शनी दौड़ में हिस्सा लेकर खिलाड़ियों में जोश भरा।

खेलों के आग़ाज़ के मौके पर पद्म श्री ऐवार्डी एथलीट सुनीता रानी, अर्जुना ऐवार्डी गीता रानी और स्टेट ऐवार्डी महां सिंह ने भी शिरकत करते हुये खिलाड़ियों की हौंसला अफ़ज़ायी की।

'इंसपायर मीट' राज्य के सभी स्कूलों में होगी 3 सितम्बर को : हरजोत बैंस

• **जालंधर ब्रीज.** एसएएस नगर

पंजाब स्कूल शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज ऐलान किया कि 3 सितम्बर को 'इंसपायर मीट' राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में होगी। इस मौके पर विद्यार्थियों की कारजगुजारी संबंधी माता-पिता को सूचित किया जायेगा।

हरजोत सिंह बैंस ने सभी स्कूल मुखियों और अध्यापकों को 'इंसपायर मीट' में विद्यार्थियों के माता-पिता की अधिक से अधिक भागीदारी को यकीनी बनाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि समागम के दौरान अलग- अलग गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए माता-पिता को विशेष तौर पर न्योता देने के अलावा सह-शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों की तरफ भी विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा

कि मैं अलग-अलग स्कूलों में 'इंसपायर मीट' प्रोग्राम में भी शामिल होऊँगा। उन्होंने राज्य के समूह प्रिंसिपलों और अध्यापकों को सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के सर्वपक्षीय विकास के लिए और रचनात्मक यत्नों को यकीनी बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने अपने पिछले दिनों के स्कूल दौरों के तजुर्बों के आधार पर बोलते हुये कहा कि राज्य के सरकारी स्कूलों में पढ़ते विद्यार्थियों में बहुत हुनर है, जिसको तराशने और सही रास्ता दिखाने की ज़रूरत है।

विराट कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद अपनी फॉर्म को लेकर तोड़ी चुप्पी

मुंबई. टीम इंडिया ने एशिया कप में अपना दूसरा मैच हांगकांग के खिलाफ 31 अगस्त को खेला। जिसमें भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 6 महीने के बाद अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। रन मशीन लम्बे समय से बल्ले से संघर्ष करते नजर आ रहे थे, जिसको लेकर विराट को काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा।

हांगकांग के खिलाफ हुए मैच में विराट कोहली ने 44 गेंदो में 59 रनों की शानदार पारी खेली और टीम के स्कोर को 192 तक पहुँचाने में मदद की। वहीं, दूसरी तरफ उनका साथ सूर्यकुमार यादव ने दिया। दांये हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी महज 26 गेंदो में 68 रनों की तूफानी पारी खेली। सूर्या ने पारी के आखिरी ओवर में चार छक्के लगाकर टीम के स्कोर को 192 तक पहुंचा दिया। मैच के बाद पूर्व कप्तान विराट कोहली ने अपनी फॉर्म को लेकर खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने ब्रेक के दौरान क्रिकेट को अच्छी तरह से समझा है। इसके अलावा विराट ने सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी की भी जमकर तारीफ की। विराट कोहली ने मैच के बाद अपनी फॉर्म को लेकर कहा "6 हफ्तों के एक लम्बे ब्रेक के बाद मैं अब पूरी तरह फ्रेश महसूस कर रहा हूँ। मैंने पाकिस्तान के खिलाफ जो पारी खेली उससे मैं संतुष्ट हूँ। क्योंकि मेरा काम पार्टनरशिप को आगे ले जाना था जो मैंने किया। इसके अलावा मैंने बुरी गेंदो पर भी बाउंड्री लगाई जो मेरे लिए काफी अच्छा है।"

• फोटो-बीसीसीआई

सूर्यकुमार यादव की तारीफ में विराट ने कहा "सूर्या ने एक मुश्किल पिच पर शानदार बल्लेबाजी की। उसने मुकाबले को बदलकर रख दिया। इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था लेकिन उसने शानदार बल्लेबाजी की।

डीसी ने पराली प्रबंधन को लेकर औद्योगिक ईकाईयों के साथ की बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर संदीप हंस की ओर से जिला प्रशासकीय कांप्लेक्स में जिले की अलग-अलग औद्योगिक इकाईयों के साथ पराली प्रबंधन को लेकर बैठक की गई। बैठक में जिला होशियारपुर के अलग-अलग ब्लाकों के बेलर चलाने वाले किसानो की ओर से भी शमूलियत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग औद्योगिक इकाईयों जिनकी ओर से पराली की खपत की जाती है व किसान जो बेलर चला कर पराली एकत्र करते हैं, का आपसी तालमेल व सहयोग बढ़ाना था ताकि पराली प्रबंधन को सही ढंग से संपन्न किया जा सके।

डीसी की ओर से जिले की समूह औद्योगिक ईकाइयों, जिनकी ओर से पराली का प्रयोग, कच्चा माल व ईंधन के तौर पर किया जाता है, को पराली प्रबंधन के लिए आगे आकर इस वातावरण हितैषी अभियान में योगदान डालने की बात कही गई। उन्होंने बेलर मालिकों को इन ईकाइयों से तालमेल कर अधिक से अधिक पराली का प्रबंधन करने के लिए कहा। इस मौके पर मुख्य कृषि अधिकारी डा. गुरदेव सिंह की ओर से जिन किसानों को पिछले वर्ष बेलर मुहैया करवाए गए थे संबंधी जानकारी सांझी की गई व उन्हे अधिक से अधिक इन मशीनों का प्रयोग कर नजदीकी औद्योगिक ईकायईयों जहां पराली की गांठों की खपत हो सके को सप्लाई करने के लिए कहा गया। उन्होंने समूह किसानों को भी अपने क्षेत्र में काम कर रहे बेलरों से अधिक से अधिक पराली प्रबंधन करने की अपील की।

सरकार ने आम आदमी क्लीनिक्स के लिए दवाईयों की दूसरी खेप जालंधर भेजी

जालंधर ब्रीज. जालंधर

पंजाब सरकार द्वारा आम आदमी क्लीनिक्स के लिए दवाईयों की भेजी दूसरी खेप सिविल सर्जन दफ्तर के मेडिसिन स्टोर पर पहुंच गई है। सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा ने बताया कि सेहत विभाग द्वारा जालंधर में 15 अगस्त को 6 आम आदमी क्लीनिक कबीर विहार, राजन कालोनी, अलावलपुर, फरवाला, पासला व रसूलपुर में लोगों को घर के नज़दीकी सहूलियतें देने के उद्देश्य से खोले गए थे। इन क्लीनिकों में मेडिकल अधिकारी फार्मासिस्ट व क्लीनिक असिस्टेंट तैनात हैं जिनके द्वारा मुफ्त दवाईयां व बल्ड टेस्ट की सहूलियत दी जा रही है।

मान सरकार की विफलता आने लगी सामने, सभी निर्माण कार्य हुए बंद: अश्वनी शर्मा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की पंजाब तथा जन विरोधी नीतियों के चलते आज हर वर्ग को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहाँ प्रदेश में कानून-व्यवस्था बदतर हालत में है, वहीं सरकारी तंत्र का भी बुरा हाल है। सरकारी कर्मचारी आप नेताओं की दहशत के चलते काम करने में असहज हैं, गैंगस्टरों की दहशत पूरे पंजाब में है और सभी तरफ अराजकता के माहौल में जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीँ पंजाब में मान सरकार बनने के बाद प्रदेश से रेत का विलुप्त हो जाना जनता को हैरान किए हुए है।

रेत ना मिलने से सभी तरह के निर्माण कार्य ठप्प हो गए हैं। शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी जिसने लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाए थे, वह सब हवा-हवाई साबित हुए हैं। अश्वनी शर्मा ने कहा कि पंजाब में जब से भगवंत मान सरकार बनी है सभी उद्योग बंद होने की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछली कांग्रेस सरकार में रेत माफिया चरम सीमा पर था, लेकिन रेत फिर भी मिलती थी, लेकिन मान सरकार के शासन में तो रेत मिलनी ही बंद हो गई है। भवन निर्माण में रेत और बजरी मुख्य रा मटीरियल हैं। ऐसे में इनके ना मिलने से इसकी काला-बाजारी बढ़ गई है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.